

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2015

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-006 : METAPHYSICS

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :**
- (i) *Answer all five questions.*
 - (ii) *All questions carry equal marks.*
 - (iii) *Answers to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-
-

1. What is Metaphysics ? Explain its nature and scope. 20

OR

Define Being. Bring out the difference between 'Being as Essence' and 'Being as Esse'. 20

2. Give an account of Indian Metaphysics presented by the six orthodox systems. 20

OR

What do you understand by person ? In this connection, differentiate between 'Person' and 'Entity'. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Is there any difference between Essence and Existence ? Explain. 10
 - (b) Explain the nature and division of substance. 10
 - (c) Describe various methods used in Indian Metaphysics. 10
 - (d) Discuss the different types of analogy. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Give the etymological meaning of Metaphysics. 5
 - (b) Write a note on the dialectical method. 5
 - (c) Explain matter as passive potency. 5
 - (d) What is inter subjective communion ? 5
 - (e) Differentiate between positive and negative freedom. 5
 - (f) What are the different types of truth in relation to being ? 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Principle of excluded middle 4
 - (b) Being as the object of will 4
 - (c) Individuation 4
 - (d) Three kinds of change 4
 - (e) Problem of free will 4
 - (f) Compatibility and Incompatibility 4
 - (g) Ontological beauty 4
 - (h) Act in potency 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-006 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- टिप्पणी : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग
400 शब्दों में दीजिए।
-

1. तत्वमीमांसा क्या है? इसकी प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र की व्याख्या 20
कीजिए।

अथवा

सत् (Being) को परिभाषित करें। सार रूप सत् और सार के 20
होने के ढग (Esse) रूप सत् के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. छः भारतीय आस्तिकवादी दार्शनिक सम्प्रदायों द्वारा प्रस्तुत 20
तत्वमीमांसा का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

व्यक्ति से आप क्या समझते हैं? इस सन्दर्भ में व्यक्ति और सत्ता 20
के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) क्या सार और अस्तित्व में कोई अन्तर हैं? व्याख्या करें। 10
- (b) द्रव्य की प्रकृति और विभागों का वर्णन कीजिए। 10
- (c) भारतीय तत्वमीमांसा में प्रयुक्त विभिन्न प्रविधियों का विवरण दीजिए। 10
- (d) विभिन्न प्रकार की सादृश्यता की व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) तत्वमीमांसा का व्युत्पत्तिमूलक अर्थ प्रस्तुत कीजिए। 5
- (b) द्वन्द्वात्मक विधि पर लेख लिखिए। 5
- (c) निष्क्रिय सामर्थ्य के रूप में पदार्थ की व्याख्या कीजिए। 5
- (d) अन्तर विषयनिष्ठ सम्प्रेषण क्या है? 5
- (e) सकारात्मक एवं नकारात्मक स्वतन्त्रता के मध्य अन्तर कीजिए। 5
- (f) सत् के सम्बंध में विभिन्न प्रकार के सत्य कौन से हैं? 5
5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। प्रत्येक टिप्पणी लगभग 100 शब्दों में होनी चाहिए।
- (a) मध्य परिहार का नियम 4
- (b) संकल्प के विषय के रूप में सत् 4
- (c) व्यक्तिकरण 4
- (d) तीन प्रकार के परिवर्तन 4
- (e) स्वतन्त्र संकल्प की समस्या 4
- (f) संगति और विसंगति 4
- (g) सत्तामीमांसक सुन्दरता 4
- (h) सामर्थ्यता में क्रिया 4